

मुख्य पेज - राजनीति - अंतरराष्ट्रीय - खास लोग - व्यापार - स्थान - सूजन - मनोरंजन - समाज

में श्रद्धा पूर्वक मनाया गया ~ उपराष्ट्रपति नायडू का वादा पूरा, भारतीय साहित्य की 10 महान कृतियों का चीनी, रूसी भाषा में अ

मुख्य पेज > सूजन > साहित्य >

## उपराष्ट्रपति नायडू का वादा पूरा, भारतीय साहित्य की 10 महान कृतियों का चीनी, रूसी भाषा में अनुवाद पूर्ण

जनता जनार्दन संवाददाता, Dec 01, 2020, 12:22 pm IST

**Keywords:** great Indian literature Chinese language Russian language Sahitya Akademi साहित्य अकादेमी उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू चीनी अनुवाद रूसी अनुवाद भारतीय साहित्य अनुवाद के श्रीनिवासराव



फ्रॉन्ट साइट: T1T

Like 6

Tweet



Kavve Aur Kala Pani

乌鸦与死地

ВОРОНЫ ИЗБАВЛЕНИЯ



SAHITYA AKADEMI

<http://www.sahitya-akademi.gov.in>

This is one of the most celebrated writers of India, Nirmal Verma's Sahitya Akademi Award winning collection of short stories. The stories in the collection are marked by the themes of alienation, exile, suicide, renunciation and desolation but are also lightened by the laughter and glimmers of hope. The collection has been translated into Chinese by Dayawanti and Russian by Meenu Bhatnagar.

**नई दिल्ली:** शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की आभासी बैठक के दौरान भारत के उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने आधुनिक भारतीय साहित्य की 10 कालजयी कृतियों के चीनी तथा रूसी अनुवादों के पूर्ण होने की घोषणा की। यह घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय क्षेत्रीय साहित्य की इन अद्वितीय कृतियों के चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनुवाद से भारत की प्राचीन और समृद्ध भारतीय सांस्कृतिक विरासत में दूसरे देशों के लोगों की व्यापक रुचि उत्पन्न होगी।

जात हो कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जून 2019 में काजाकिस्तान की राजधानी बिश्केक में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन में घोषणा की थी कि भारतीय भाषाओं की 10 महान कृतियों का चीनी तथा रूसी भाषा में अनुवाद किया जाएगा। तदनुसार साहित्य अकादेमी ने आधुनिक भारतीय साहित्य से 10 भारतीय भाषाओं की 10 कृतियों का चयन किया तथा इनका चीनी तथा रूसी अनुवाद प्रकाशित किया।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 नवंबर 2020 को एससीओ प्रमुखों की आभासी बैठक में साहित्य अकादेमी द्वारा इनके अनुवाद पूर्ण किए जाने की घोषणा की थी। साहित्य अकादेमी ने इस अवसर पर इन पुस्तकों के अंग्रेजी संस्करणों का भी पुनर्मुद्रण किया।

साहित्य अकादेमी के सचिव के, श्रीनिवासराव की विज्ञप्ति के अनुसार चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनूदित ये भारतीय कृतियाँ हैं - सूरजमुखीर स्वप्न, ले. सैयद आब्दुल मालिक (असमिया), आरोग्य निकेतन, ले. ताराशंकर बंद्योपाध्याय (बाङ्गाला), वेविशाल, ले. झवेरचंद मेघाणी (गुजराती), कव्वे और काला पानी, ले. निर्मल वर्मा (हिंदी), पर्व, ले. एस.एल. भैरप्पा (कन्नड़), मनोज दासंक कथा ओ काहाणी, ले. मनोज दास (ओडिया), मढ़ी दा दीवा, ले. गुरुदयाल सिंह (पंजाबी), शिल नेरंगाळिल शिल मणितर्कळ, ले. जयकांतन (तमिल) इल्लु, ले. राचाकां डा विश्वनाथ शास्त्री (तेलुगु) और एक चादर मैली सी, ले. राजिन्दर सिंह बेदी (उर्दू)।

# अनुवाद से देश की प्राचीन विरासत विदेशों तक पहुंचेगी : वैकेया नायडू

नईदिल्ली, 30 नवम्बर( नवोदयटाइम्स) : शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की आभासी बैठक के दौरान सोमवार को उपराष्ट्रपति वैकेया नायडू ने आधुनिक भारतीय साहित्य की 10 कालजयी कृतियों के चीनी तथा रूसी अनुवादों के पूर्ण होने की घोषणा की। यह घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय क्षेत्रीय साहित्य की इन अद्वितीय कृतियों के चीनी तथा रूसी भाषा में अनुवाद से भारत की प्राचीन और समृद्ध भारतीय सांस्कृतिक विरासत में दूसरे देशों के लोगों की व्यापक रुचि उत्पन्न होगी। बता दें इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जून 2019 में कजाकिस्तान की राजधानी बिश्केक में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन में घोषणा की थी कि भारतीय भाषाओं की 10 महान कृतियों का चीनी तथा रूसी भाषा में अनुवाद किया जाएगा। तदनुसार साहित्य अकादमी ने



आधुनिक भारतीय साहित्य से 10 भारतीय भाषाओं की 10 कृतियों का चयन किया तथा इनका चीनी तथा रूसी अनुवाद प्रकाशित किया। चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनूदित ये भारतीय कृतियां हैं, सूरजमुखीर स्वप्न ले. सैयद अब्दुल मालिक (असमिया), आरोग्य निकेतन ले. ताराशंकर बंद्योपाध्याय (बांग्ला), वेविशाल ले. झवेरचंद मेघाणी (गुजराती), कव्वे और काला पानी ले. निर्मल वर्मा (हिंदी), पर्व ले. एस.एल. भैरप्पा (कन्नड), मनोज दासंक कथा ओ काहीणी ले. मनोज दास (ओडिया), मढ़ी दा दीवा ले. गुरदियाल सिंह (पंजाबी), शिल नेरंगछिल शिल मणितर्कल्प ले. जयकांतन (तमिल), इल्लु ले. राचाकांडा विश्वनाथ शास्त्री (तेलुगु) और एक चादर मैली सी ले. राजिन्दर सिंह बेदी (उर्दू)।



# राष्ट्रीय रक्षक

All Crime Entertainment Environment Financial Health Ministries

## उपराष्ट्रपति द्वारा भारतीय साहित्य की 10 महान कृतियों के चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनुवादों की घोषणा

नवंबर 30, 2020 • Snigdha Verma

भारत के क्षेत्रीय साहित्य के अनुवाद से देश की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत विदेशों तक पहुँचेगी - उपराष्ट्रपति वैकेया नायदू

नई दिल्ली । शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की आभासी बैठक के दौरान आज भारत के उपराष्ट्रपति वैकेया नायदू ने आधुनिक भारतीय साहित्य की 10 कालजयी कृतियों के चीनी तथा रूसी अनुवादों के पूर्ण होने की घोषणा की। यह घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय क्षेत्रीय साहित्य की इन अद्वितीय कृतियों के चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनुवाद से भारत की प्राचीन और समृद्ध भारतीय सांस्कृतिक विरासत में दूसरे देशों के लोगों की व्यापक रुचि उत्पन्न होगी।

जात हो कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जून 2019 में कजाकिस्तान की राजधानी विश्वेक के में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन में घोषणा की थी कि भारतीय भाषाओं की 10 महान कृतियों का चीनी तथा रूसी भाषा में अनुवाद किया जाएगा। तदनुसार साहित्य अकादेमी ने आधुनिक भारतीय साहित्य से 10 भारतीय भाषाओं की 10 कृतियों का चयन किया तथा उनका चीनी तथा रूसी अनुवाद प्रकाशित किया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 नवंबर 2020 को एससीओ प्रमुखों की आभासी बैठक में साहित्य अकादेमी द्वारा इनके अनुवाद पूर्ण किए जाने की घोषणा की थी।

साहित्य अकादेमी ने इस अवसर पर इन पुस्तकों के अंगेजी संस्करणों का भी पुनर्मुद्रण किया है। चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनूदित ये भारतीय कृतियों हैं - सूरजनुवीर स्वप्न ले, सैयद आब्दुल मलिक (असमिया) आरोग्य निकेतन ले, ताराशंकर बंद्योपाध्याय (बाइला) वैविशाल ले, झावेरचंद मेघाणी (गुजराती) कल्वे और काला पानी ले, लिर्मल घर्मा (हिंदी) पर्व ले, एस.एल. ऐरप्पा (कन्नड़) मनोज दासंक कथा ओ काहीणी ले, मनोज दास (ओडिया) मझी दा दीवा ले, गुरुदियाल सिंह (पंजाबी) शिल नेरंगछिल शिल मणितर्कळ ले, जयकांतन (तमिल) इलु ले, राचाकांडा विश्वनाथ शास्त्री (तेलुगु) और एक चादर मैली सी ले, राजिन्दर सिंह बेटी (उट्टू)।

# उपराष्ट्रपति ने की चीनी-रूसी भाषा में अनुवादित 10 कृतियों की घोषणा

बिलास मद्ह्यवारी

नहीं दिल्ली। शांघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की आभासी बैठक के द्वारा भारत के उपराष्ट्रपति वंकैया नायडू ने आधुनिक भारतीय साहित्य की 10 कालजयी कृतियों के चीनी तथा रूसी अनुवादों के पूर्ण होने की घोषणा की। यह घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय क्षेत्रीय साहित्य की इन अद्वितीय कृतियों के चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनुवाद से भारत की प्राचीन और समृद्ध भारतीय सांस्कृतिक विरासत में दूसरे देशों के लोगों की अव्यापक रुचि उत्पन्न होगी।

ज्ञात हो कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जून 2019 में काजाकिस्तान की

राजधानी विश्वकोक में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन में घोषणा की थी कि भारतीय भाषाओं को 10 महान् कृतियों का चीनी तथा रूसी भाषा में अनुवाद किया जाएगा। हटनुसार साहित्य अकादमी ने आधुनिक भारतीय साहित्य से 10 भारतीय भाषाओं की 10 कृतियों का चयन किया तथा इनका चीनी तथा रूसी अनुवाद प्रकाशित किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 नवंबर 2020 को एससीओ प्रमुखों की आभासी बैठक में साहित्य अकादमी द्वारा इनके अनुवाद पूर्ण किए जाने की घोषणा की थी। साहित्य अकादमी ने इस अवसर पर इन पुस्तकों के अंशेजी संस्करणों का भी पुनर्मुद्रण किया है। चीनी तथा रूसी भाषाओं

में अनुदित इन भारतीय कृतियों में सूरजमुखीर स्वर्ण ले, सैयद आब्दुल मालिक (असमिया), आरोग्य निकेतन ले, ताराशंकर बाणोपाध्याय (बाह्ला), वेविश्वाल ले, इवरेचंद मेधाणी (गुजराती), कल्पे और काला पानी ले, निर्मल वर्मा (हिंदी), एवं ले, एस.एल. भैरव्या (कन्नड़), मनोज दासक कथा और काहीणी ले, मनोज दास (ओडिया), मद्दी दा दीवा ले, गुरुदिवाल सिंह (पंजाबी), शिल नेरंगलिल शिल मणिलकल ले, जयकांतन (तमिल), इल्लु ले, राधाकौड़ा विश्वनाथ शास्त्री (तेलुगु) और एक चादर मैली सी ले, राजिन्दर सिंह बंदी (ठर्ड) आदि प्रमुख रूप से शामिल हैं।

# दस कालजयी कृतियों का चीनी और रूसी भाषा में अनुवाद

जनसत्ता संवाददाता

नई दिल्ली, 30 नवंबर।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की आभासी बैठक के दौरान सोमवार को उपराष्ट्रपति वेकैया नायडू ने आधुनिक भारतीय साहित्य की 10 कालजयी कृतियों के चीनी तथा रूसी अनुवादों के पूर्ण होने की घोषणा की। यह घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय क्षेत्रीय साहित्य की इन अद्वितीय कृतियों के चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनुवाद से भारत की प्राचीन और समृद्ध भारतीय सांस्कृतिक विरासत में दूसरे देशों के लोगों की व्यापक रुचि उत्पन्न होगी।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जून 2019 में कजाकिस्तान की राजधानी बिश्केक में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन में घोषणा की थी कि भारतीय भाषाओं की 10 महान कृतियों का

चीनी तथा रूसी भाषा में अनुवाद किया जाएगा। उसी के अनुसार साहित्य अकादेमी ने आधुनिक भारतीय साहित्य से 10 भारतीय भाषाओं की 10 कृतियों का चयन किया तथा इनका चीनी तथा रूसी अनुवाद प्रकाशित किया।

चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनूदित ये भारतीय कृतियां सूरजमुखीर स्वप्न सैयद आब्दुल मालिक (असमिया), आरोग्य निकेतन ताराशंकर बंद्योपाध्याय (बांग्ला), वेविशाल झवेरचंद मेघाणी (गुजराती), कव्वे और काला पानी निर्मल वर्मा (हिंदी), पर्व एसएल भैरप्पा (कन्नड़), मनोज दासंक कथा ओ काहीणी मनोज दास (ओडिया), मढ़ी दा दीवा गुरदियाल सिंह (पंजाबी), शिल नेरंगलि शिल मणितर्कल जयकांतन (तमिळ), इल्लु राचाकोंडा विश्वनाथ शास्त्री (तेलुगु) और एक चादर मैली सी राजिंदर सिंह बेदी (उर्दू) हैं।

# दस कृतियों का चीनी-रूसी में अनुवाद

नई दिल्ली | प्रगुण संवाददाता

शंघाई सहयोग समिति (एससीओ) की आभासी बैठक के दौरान सोमवार को उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने आधुनिक भारतीय साहित्य की 10 कालजयी कृतियों के चीनी तथा रूसी अनुवादों के पूर्ण होने की घोषणा की।

यह घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय क्षेत्रीय साहित्य की इन अद्वितीय कृतियों के चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनुवाद से भारत की प्राचीन और समृद्ध भारतीय सांस्कृतिक विरासत में दूसरे देशों के लोगों की व्यापक रुचि उत्पन्न होगी। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री

## इन पुस्तकों का हुआ है अनुवाद

सुरुजमुखीर स्वप्न लेखक सैयद आब्दुल मालिक (असमिया), आरोग्य निकेतन लेखक ताराशंकर बंदोपाध्याय (बाड़ला), वेविशाल लेखक झवेरचंद मेघाणी (गुजराती), कवे और काला पानी लेखक निर्मल वर्मा (हिंदी), पर्व लेखक एस.एल. भैरवा (कन्नड), मनोज दासकं कथा ओ काहीणी लेखक मनोज दास (ओडिया), मढ़ी दा दीवा लेखक गुरदियाल सिंह (पंजाबी), शिल नेरांगलिल शिल मणितकळ लेखक जयकांतन (तमिल), इल्लु लेखक राचाकांडा विश्वनाथ शाखी (तेलुगु) और एक चादर मैली सी लेखक राजिन्दर सिंह बेदी (उर्दू)।

नरेंद्र मोदी ने जून 2019 में कजाकिस्तान की राजधानी बिश्केक में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन में घोषणा की थी कि भारतीय भाषाओं की 10 महान कृतियों का चीनी तथा रूसी भाषा

में अनुवाद किया जाएगा। इसके बाद साहित्य अकादमी ने आधुनिक भारतीय साहित्य से 10 भारतीय भाषाओं की 10 कृतियों का चयन किया तथा इनका चीनी तथा रूसी अनुवाद प्रकाशित किया।

साहित्य अकादमी ने किया था रचनाओं का चयन

# अब रूसी-चीनी नागरिक भी पढ़ सकेंगे हमारे देश की 10 कालजयी साहित्यिक रचनाएं

पीएम ने गत वर्ष की थी  
अनुवाद किए जाने की  
घोषणा, उपराष्ट्रपति ने  
किया लोकार्पण

प्रियका न्यूज़ नेटवर्क  
[priyaka.com](http://priyaka.com)

अहमदाबाद, देश की 10 भारतीय राजनीति को कालजयी कृतियों का संस्कृत और हिन्दी भाषा में अनुवाद पूरा हो गया है। हाँवाई संस्कृत संगठन (एससीआई) की वर्तुआल बैठक के दौरान उपराष्ट्रपति ने किया नायक



ने इनकी प्रोफेशन की। इन कृतियों में समिल हैं।

हिन्दी, उर्दू, गुजराती, असमीय, कश्मीरी, रूसी, तेलुगु, अंग्रेजी, नेहरू ने काज़िमपुर की राजधानी विश्वेष व पंजाबी भाषा की रचना

विश्वेष के हुए शार्ड महायोग की 2019 में गुजरात की

संठन (एससीआई) में इसकी प्रोफेशन की थी। इसके बाद साहित्य अकादमी ने 10 रचनाओं का चयन कर इन सभी राजनीति का संस्कृत और हिन्दी में अनुवाद प्रसारित किया।

इन्हें गुजरात के महान सेवक व लोकविद्युत विद्युत विभाग की रचना 'वैदिकाल' में समिल है। इस उपन्यास का सभी अनुवाद कुसंस्कृत विश्वा की ओर अनुवाद लिया जिन्होंने किया।

साहित्य अकादमी को ओर से

'सास्कारी नद' का हिन्दी भाषा वे योग्यतान सेवक विश्वेष कर्ता को अनुवाद के लिए गुजरात ग्रान्ट करने कहने साझा की गयी और काल वास्तव में आलोक कुमार गुरु ने इस पर्याप्त विवरण दिया। युद्धशत तिल लिखित कि किसी भी रचना का किसी भी प्रकार उपन्यास 'बहो द देह', भाषा में अनुवाद को महत्वपूर्ण मान सेवक अद्युत मालिक रखत जात है। हाँ भारतीय भाषा में असमीय कृति 'मारुद्धुर्द्धा मन', ब्रह्म लेखक हाराज़क ब्रह्मशत्रू की लक्ष्य पैदा होती है।

अनुवाद होने चाहिए। अनुवाद सेवक विश्वेष की कृति 'अरोग्य विश्वेष' समिल है।

इसके साथ ही अंग्रेजी में मोर्ज दास की साथ गुजराती साझा मोर्ज दास कथा और कृष्णी, तीनिं के नाम सेवक जयकरन की रचना में उर्दू में रेजिस्टर बैट्टे की कालीन एक बाल भैंसी सं, हिन्दी के

किसी भी रचना का किसी भी भाषा में अनुवाद को महत्वपूर्ण मान जात है। अनुवाद और संस्कृतिक अदान-प्रदान के लिए काफी ज्ञान है। अनुवाद से ऐसी की संस्कृतिक पहलू की लक्ष्य पैदा होती है।

• प्रो. आलोक कुमार गुरु, उपराष्ट्रपति विश्वा, केंद्रीय विश्वविद्यालय

अनुवाद की प्रसारित अवधारणा ही है। अनुवाद और संस्कृतिक अदान-प्रदान की काफी ज्ञान है। किसी भाषा का अनुवाद संस्कृतिक दृष्टिकोण से भी काफी ज्ञान होता है।

• प्रो. विमल सिंह, असम, हिन्दी विश्वा, बड़दी कैलेज, मुम्बई विश्वविद्यालय

लक्ष्मीपुर विश्वविद्यालय गुजरात की साहित्यकार एवं लेखक विश्वेष की गुजरात की लक्ष्मीपुर विश्वविद्यालय गुजरात के उपन्यास एवं समिल है।